साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 133 | जौनपुर, बुधवार, 01 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

मोदी सरकार में गरीब-वंचित हैं मनुवाद के दंश से पीड़ित-खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार को संविधान विरोधी बताते हुए कहा है कि उसके शासन में दलित, आदिवासी, पिछड़े तथा अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार अत्याचार हो रहे हैं और गरीब तथा वंचितों को मनुवाद का दंश झेलना पड़ रहा है। गरीबों तथा वंचितों के साथ हाल की घटनाओं का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा मध्य प्रदेश के देवास में दलित युवक की पुलिस कस्टडी में हत्या कर दी जाती है और ओडिशा के बालासोर में आदिवासी महिलाओं को पेड़ से बांधकर पीटा जाता है। हरियाणा के भिवानी में दलित छात्रा को बीए परीक्षा की फीस न भर पाने पर आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ता है तो महाराष्ट्र के पालघर में एक आदिवासी गर्भवती महिला को आईसीयू की तलाश में 100 किलोमीटर जाना पड़ता है और उसकी मृत्यु हो जाती है। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में तीन दलित परिवार पलायन के लिए मजबूर किए जाते हैं क्योंकि उन पर जातिसूचक हमले होते हैं और पुलिस मौन रहती है। ये जगजाहिर है कि मोदी सरकार के संविधान– विरोधी राज में दलित, आदिवासी, पिछड़े तथा अल्पसंख्यक वर्ग के खिलाफ लगातार अत्याचार हो रहे हैं तथा गरीब और वंचित हैं वो मनुवाद का दंश झेल रहें हैं। उन्होंने कहा श्दलित तथा आदिवासी महिलाओं व बच्चों के खिलाफ हर घंटे एक अप राध होता है और राष्ट्रीय अप राध ब्यूरो के मुताबिक ये आंकड़े 2014 से दोगुने हो गए हैं। कांग्रेस पार्टी 140 करोड़ भारतीयों के संवैधानिक अधिकारों का हनन नहीं होने देगी और भाजपा आरएसएस की संवि धान विरोधी सोच का मुकाबला करती रहेगी।

पटना में बीपीएससी परीक्षा रद्द कराने को लेकर शुरू हुआ छात्र आंदोलन बन गया राजनीतिक 'अखाड़ा'

पटना, (एजेंसी)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने और इसकी फिर से परीक्षा लेने की मांग को लेकर शुरू हुए छात्र आन्दोलन में राजनीतिक दलों के नेताओं के कूद जाने के बाद अब यह आन्दोलन राजनीतिक अखाड़ा बनते जा रहा है। दरअसल, करीब सभी राजनीतिक दल अगले साल होने वाले चुनाव की तैयारी में जुटे हैं, ऐसे में माना जा रहा है कि इस मामले के जरिये राजनीतिक दल युवाओं और छात्रों के हितैषी बनने का यह मौका छोड़ना नहीं चाहते। कहा तो यहां तक जा रहा है कि चुनावी साल में करीब सभी राजनीतिक दल इस आंदोलन की गर्मी में राजनीतिक रोटी सेंकना चाह रहे हैं। वैसे देखा जाए तो इस परीक्षा की शुरुआत में ही नॉर्मलाइजेशन को लेकर छात्र सड़कों पर उतरे थे। हालांकि आयोग की सफाई के बाद यह मामला शांत हो गया। लेकिन पीटी की परीक्षा के दौरान हुए पटना के बापू भवन स्थित परीक्षा केंद्र में अनियमितता को लेकर हुए हंगामे और इस परीक्षा केंद्र पर हुई परीक्षा को रद्द करने और फिर से पुनर्परीक्षा लिए जाने के आयोग के निर्णय के बाद अभ्यर्थी पूरी परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पटना के गर्दनीबाग धरना स्थल पहुंचे और धरना पर बैठ गए। अब अभ्यर्थियों की नाराजगी का मुद्दा बड़ा हो गया है।

भारत की संस्कृति और परंपरा से चिढ़ने वाले कर रहे दुष्प्रचार : सीएम योगी

प्रयागराज, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ में प्रत्येक तीर्थयात्री और पर्यटक की सुरक्षा और सुविधा को सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बताया है। उन्होंने कहा है कि महाकुम्भ में कोई भारतीय हो या विदेशी, प्रवासी भारतीय हो या प्रयागराजवासी, बिना भेदभाव सबकी सुरक्षा–सबकी सुविधा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ के दौरान आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, अग्निशमन, घाट सुरक्षा और आपातकालीन चिकित्सा तंत्र को और पुख्ता किया जाना आवश्यक है। सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों को एक्टिव रहना होगा। इंटेलिजेंस को और मजबूत करने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ के दौरान एंटी ड्रोन सिस्टम के प्रभावी इस्तेमाल के निर्देश भी दिए हैं। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ की थीम पर चल रहीं फर्जी वेवसाइट और एप के चिन्हांकन और कार्रवाई के साथ साथ आमजन को इस बारे में जागरूक करने की जरूरत बताई है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि कतिपय अराजक संगठनों/व्यक्तियों द्वारा महाकुम्भ के नाम पर फर्जीवाड़ा कर वसूली करने का दुस्साहस किया जा रहा है, पुलिस द्वारा ऐसे लोगों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाए। महाकुम्भ की तैयारियों की समीक्षा करने प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री ने एक–एक कर सभी विभागों से उनके कार्यों की प्रगति का विवरण लिया। मुख्यमंत्री ने सभी स्ट्रीट वेंडर, ऑटो रिक्शा चालकों, ई–रिक्शा चालकों के पुलिस सत्यापन तेजी से पूरा करने के निर्देश भी दिये, साथ ही प्रयागराज की ओर आने वाले सभी अंतर्जनपदीय मार्गों पर ट्रैफिक प्रबंधन के व्यवस्थित प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने सोशल मीडिया, डिजिटल मीडिया पर फेक न्यूज पर कड़ाई से लगाम लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा से चिढ़ने वाले लोग महाकुम्भ को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं, उन्हें यथोचित जवाब दिया जाना चाहिए। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने मुख्यमंत्री को बताया कि सभी पूजनीय अखाड़ों, महामंडलेश्वर, खालसा, दंडीबाड़ा, खाकचौक एवं अन्य संस्थाओं को भूमि आवंटन का कार्य पूर्ण हो गया है, जबकि प्रयागवाल व अन्य नई संस्थाओं को आवंटन का कार्य जारी है। सभी की आवश्यकताओं के अनुरूप संसाधन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर संतुष्टि जताते हुए कहा कि पूजनीय अखाड़ों, साधु–संतों की भावनाओं का यथोचित सम्मान किया जाना चाहिए। मेला प्रबंधन से जुड़े अधिकारी संतों से सतत–संपर्क–संवाद बनाये रखें। मुख्यमंत्री ने अगले तीन दिन में अरैल क्षेत्र में नया स्नान घाट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा करीब 550 शटल बसें महाकुम्भ में चलाई जानी हैं, इन्हें 05 जनवरी से क्रियाशील कर दिया जाए। किसी चालक/परिचालक को लगातार 08 घंटे से अधिक की ड्यूटी न दी जाए। इसके अलावा, दिव्यांग, बुजुर्ग और महिलाओं के आवागमन के लिए अतिरिक्त प्रबंध भी किए जाएं।

अंतरिक्ष में भारत की धाक, स्पैडेक्स के प्रक्षेपण पर केंद्रीय मंत्री ने जताई खुशी

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने दो अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक लॉन्च किए हैं जो भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए डॉकिंग नामक एक महत्वपूर्ण तकनीक का प्रदर्शन करने में मदद करेंगे। इसरो के दो अंतरिक्ष यान सोमवार की देर रात सफलतापूर्वक एक दूसरे से अलग हो

गए और उन्हें वांछित कक्षा में स्थापित कर दिया गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि भारत स्वदेशी रूप से विकसित भारतीय डॉकिंग सिस्टम के माध्यम से अंतरिक्ष डॉकिंग हासिल करने वाले चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है।

बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर धरना पर बैठे छात्रों में जगी उम्मीद

पटना, (एजेंसी)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर पुनर्परीक्षा की मांग को लेकर 14 दिनों से धरने पर बैठे अभ्यर्थियों की उम्मीदें अब जग गई है। छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के राज्यपाल और मुख्य सचिव से मिलने के बाद उन्हें आशा जगी है कि कुछ पॉजिटिव परिणाम सामने आएगा। दरअसल, रविवार को प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के बाद छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के नेतृत्व में मुख्य सचिव और राज्यपाल से मुलाकात की थी। उस प्रतिनिधि मंडल के सदस्य और सीतामढ़ी के रहने वाले सौरव सुमन ने कहा, ष्मुलाकात का पॉजिटिव आश्वासन मिला है। जब हमलोग राज्यपाल के पास गए थे तब कार्रवाई हुई है। हमने अपनी पूरी मांगों को लेकर एक पत्र लिखा। उसके बाद राज्यपाल ने आयोग के अधिकारियों को बुलाने की बात कहीं और उनसे बैठक की बात हुई। ष्वहीं मुख्य सचिव से मुलाकात के बाद वहां हमने अपनी सभी बातों को रखा है। शक के आधार पर कोई बात नहीं रखी गयी है। जो पुख्ता बातें थी, वह रखी गई । उन्होंने सभी बातों को सुनने के बाद आश्वस्त किया कि आप लोगों की बात श्फेयरश है। मुख्य सचिव ने आश्वासन देते हुए कहा कि बीपीएससी के चौयरमेन से बात की जाएगी। पुनर्परीक्षा के लिए कुछ पॉजिटिव कदम उठाएंगे। अब क्या होने वाला है पता नहीं, लेकिन आज शाम तक कुछ पॉजिटिव रिजल्ट की उम्मीद है। इधर, अभ्यर्थी रवीश आनंद कहते हैं कि सभी राजनीतिक नेता हमारे गार्जियन की तरह हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव ने पूरे मामले को गंभीरता से सुना। प्रत्येक बिंदुओं को उनके सामने रखा गया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि इस पर हम लोग काम कर रहे हैं। मुख्य सचिव इसे लेकर चर्चा करेंगे। रवीश ने कहा कि आशा है कि बीपीएससी की पुनर्परीक्षा करवाकर न्याय दिया जाएगा।

जंगपुरा विधानसभा में पुजारियों ने केजरीवाल की जीत के लिए किया पाठ : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की विधानसभा जंगपुरा में अलग–अलग मंदिरों के पुजारियों ने मंदिर के अंदर मिलकर हनुमान चालीसा का पाठ किया और दोबारा अरविंद केजरीवाल को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाने के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर मनीष सिसोदिया भी मौजूद रहे। मनीष सिसोदिया का कहना है कि आम आदमी पार्टी की पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना से बेहद खुश होकर जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र के इस मंदिर में यह आयोजन किया गया। इस मौके पर दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है। जंगपुरा के किलोकरी गांव के शिव मंदिर में दिल्ली के पुजारियों

और ग्रंथियों को 18,000 प्रति महीने की सम्मान राशि देने के अरविंद केजरीवाल के ऐलान के बाद दिल्ली के पुजारियों का जमकर आशीर्वाद मिल रहा है। आज जंगपुरा विधानसभा के 21 मंदिरों के पुजारी शिव मंदिर, किलोकरी गांव में इकट्ठा होकर अरविंद केजरीवाल को फिर से मुख्यमंत्री बनाने के लिए प्रार्थना की और हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने कहा कि मुझे बेहद सुखद अनुभव हुआ है और मैं यह कहना चाहता हूं कि अरविंद केजरीवाल जिनके ऊपर हनुमान जी की विशेष कृपा रहती है, विभिन्न पुजारी की इस विशेष प्रार्थना को जरूर सुन लेंगे। कल ही अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली भर के पुजारियों के लिए पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा की है। अरविंद केजरीवाल ने कल अपनी घोषणा में कहा था कि दिल्ली में उनकी सरकार बनते ही जो भक्त और भगवान के बीच में सेतु का काम करते हैं, उन्हें 18,000 रुपए हर महीने दिए जाएंगे। मनीष सिसोदिया ने कहा कि मुझे बेहद खुशी है। मुझे ऐसी उम्मीद है कि भगवान श्री राम और भगवान हनुमान जी की विशेष कृपा रहेगी। नए साल में जीवन में सब कुछ नया हो, हर पुरानी चीजों को भूलकर नई शुरुआत इंसान को करनी चाहिए।

अरविंद केजरीवाल ने पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना के रजिस्ट्रेशन का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने श्पुजारी ग्रंथी सम्मान योजनाश के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत मंगलवार से कर दी। उनके साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल भी मौजूद थी। अरविंद केजरीवाल ने आईएसबीटी स्थित मरघट वाले बाबा के मंदिर पहुंचकर हनुमान जी के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। इसके साथ वहां मौजूद पुजारी का रजिस्ट्रेशन कर इस योजना की शुरुआत की। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मरघट वाले बाबा मंदिर के महंत का योजना के तहत रजिस्ट्रेशन करके प्रदेशभर में 'पुजारी–ग्रंथी सम्मान योजना' के रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम की शुरुआत की। अरविंद केजरीवाल ने कहा, ष्आज मरघट वाले बाबा के मंदिर (आईएसबीटी) में दर्शन किए और पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना का शुभारंभ किया। यहां के महंत जी का आज जन्मदिन है। उनके साथ जन्मदिन भी मनाया। अरविंद केजरीवाल ने सुबह ही सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था, ष्बीजेपी वाले मुझे कल से गंदी–गंदी गालियां दे रहे हैं, जब से पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा हुई है। मेरा उनसे प्रश्न है – क्या मुझे गाली देने से देश का फायदा होगा? आपकी 20 राज्यों में सरकारें हैं। गुजरात में तो आपकी 30 साल से सरकार है। अभी तक आपने वहां पुजारियों और ग्रंथियों का सम्मान क्यों नहीं किया? चलो अब ही कर दो?

राहुल गांधी के भक्त–चेलों...फिर भड़की प्रणव मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा, भाई को भी लगाई फटकार

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वफादारों पर जमकर निशाना साधा है और कांग्रेस का बचाव करने के लिए अपने भाई अभिजीत मुखर्जी पर निशाना साधा है। उनकी टिप्पणी उन आरोपों के कुछ दिनों बाद आई है कि उनके पिता की मृत्यु के कुछ दिनों बाद उनके सम्मान में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की कोई बैठक नहीं बुलाई गई थी। राहुल गांधी के वफादारों पर निशाना साधते हुए, शर्मिष्ठा ने उनके विचारों पर सवाल उठाया और 2018 के संसद सत्र के दौरान आरएसएस मुख्यालय में अपने पिता की यात्रा और राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के साथ विवादास्पद गले लगाने का हवाला दिया। राहुल के भक्त–चेला जो मेरे पिता को उनकी आरएसएस यात्रा के लिए श्संघीश कहते हैं, मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे अपने नेता से सवाल करें कि उन्होंने संसद में नरेंद्र मोदी को गले क्यों लगाया, जिन्हें उनकी मां श्मौत का सौदागरश कहती थीं। उनके जटिल तर्क के अनुसार, राहुल को उनके साथी के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने आगे कांग्रेस नेता के समर्थकों पर हमला करते हुए कहा कि इस शातिर मूर्खों और चापलूसों के झुंड के साथ कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए राहुल गांधी को शुभकामनाएं! अब जाओ और मुझ पर अपने श्नफरत के दुकंदरश खोलो। मुझे धिक्कार है! 2020 में अपने पिता की मृत्यु के बाद उपेक्षा के आरोपों के खिलाफ, पूर्व कांग्रेस नेता और शर्मिष्ठा के भाई अभिजीत मुखर्जी ने पार्टी का बचाव किया है। शर्मिष्ठा की टिप्पणियों का जवाब देते हुए, अभिजीत ने प्रणब मुखर्जी की मृत्यु के बाद कोविड–19 प्रतिबंधों से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। जब मेरे पिता की मृत्यु हुई, वह कोविड–19 का समय था। जगह–जगह बहुत सारी पाबंदियां थीं, इसलिए लोग इकट्ठा नहीं हो सकते थे।

डल्लेवाल को मेडिकल सहायता मामले में उच्चतम न्यायालय ने पंजाब सरकार को दिया 3 दिन का अतिरिक्त समय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब– हरियाणा सीमा पर एक महीने से अधिक समय से अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को मेडिकल सहायता देने के अपने आदेश पर अमल करने के लिए पंजाब सरकार को उसके अनुरोध पर मंगलवार को 3 दिन यानी 2 जनवरी तक की अतिरिक्त मोहलत दी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने इस संबंध में पंजाब सरकार द्वारा दायर एक आवेदन और राज्य के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह की मौखिक गुहार पर गौर करते हुए यह आदेश पारित किया। पीठ के समक्ष पंजाब के महाधिवक्ता सिंह ने कहा कि प्रदर्शनकारी किसानों ने प्रस्ताव दिया है कि अगर केंद्र सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित उनकी मांगों पर उनसे बात करने के लिए तैयार हो तो उनके नेता डल्लेवाल मेडिकल सहायता लेंगे। सिंह यह भी कहा कि केंद्र को प्रस्ताव दिया गया है और यदि वह बातचीत के लिए तैयार है तो डल्लेवाल चिकित्सा सहायता लेने के लिए तैयार हैं। महाधिवक्ता ने कहा कि सोमवार को कुछ हस्तक्षेपकर्ता डल्लेवाल से बात करने गए थे। उन्होंने कहा कि बंद का आह्वान किया गया था जिसके परिणामस्वरूप पूरे राज्य में नाकेबंदी की गई। इस पर पीठ ने कहा, श्हम यह देखने के लिए समय देंगे कि क्या सभी पक्षों के लिए कुछ सहमत है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, श्परिस्थितियों की समग्रता को ध्यान में रखते हुए और न्याय के हित में हम इस अदालत द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन के लिए कुछ और समय देने के अनुरोध को स्वीकार करने के लिए इच्छुक हैं। पीठ ने 26 नवंबर से आमरण अनशन कर रहे डल्लेवाल को मेडिकल सहायता लेने के लिए मनाने के अनुरोध पर पंजाब सरकार को तीन

दिन का अतिरिक्त समय देते हुए यह भी कहा, श्हम इस पर टिप्पणी नहीं करेंगे कि क्या चल रहा है या बातचीत के बारे में क्या है। अगर कुछ ऐसा होता है जो सभी पक्षों को स्वीकार्य है तो हम समान रूप से खुश हैं। शीर्ष अदालत इस मामले में दायर एक अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें राज्य सरकार द्वारा भूख हड़ताल पर बैठे डल्लेवाल को 20 दिसंबर के अदालती आदेश के अनुसार चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में विफल रहने के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की गई थी। शीर्ष अदालत ने 28 दिसंबर 2024 को पंजाब सरकार को फटकार लगाई थी और डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए 31 दिसंबर तक का समय दिया है। इसके साथ ही यह भी कहा था कि राज्य सरकार को यदि जरूरत पड़े तो वह केंद्र सरकार से सैन्य सहायता लेने के लिए स्वतंत्र है। गैर–राजनीतिक संगठन एसकेएम और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा पर धरने पर बैठे हुए हैं। उस दिन पुलिस ने उनके दिल्ली मार्च को वहां रोक दिया था। उन आंदोलनकारी किसानों में से 101 किसानों के एक समूह ने छह से 14 दिसंबर के दौरान तीन बार पैदल दिल्ली मार्च करने का प्रयास किया लेकिन हरियाणा के सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोक दिया।

केजरीवाल की योजनाओं से फर्क नहीं पड़ता, दिल्ली में कांग्रेस बनाएगी सरकार : पवन खेड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर से 'पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना' शुरू करेंगे। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल इस योजना को शुरू कर मास्टर स्ट्रोक खेलना चाहते हैं। हालांकि, इंडिया ब्लॉक की उनकी साथी कांग्रेस इस पर सवाल खड़े कर रही है। 'पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना' को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल चाहे जितनी भी योजनाएं शुरू कर लें, चाहे कितने भी बदलाव कर लिए जाएं या कितने भी प्रयास किए जाएं। दिल्ली के लोगों ने अब मन बना लिया है कि दिल्ली एक बार फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार होनी चाहिए। केजरीवाल द्वारा आतिशी को अस्थायी मुख्यमंत्री बताए जाने पर एलजी की आपत्ति पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि यह सरकार अब अस्थायी है। अगले चुनाव के बाद यह सरकार नहीं रहेगी। कोई आपत्ति करे, इसे अस्थायी कहे या स्थायी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। दिल्ली की जनता ने मन बना लिया है। भाजपा नेता नितेश राणे के बयान पर कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर उन्होंने संविधान पढ़ा होता, जिसकी शपथ उन्होंने मंत्री बनते समय ली थी, और खास तौर पर अनुच्छेद 51ए पढ़ते तो तो वे ऐसी तुच्छ, घटिया और अपमानजनक टिप्पणी नहीं करते। भाजपा नेता नितेश राणे ने कहा था कि हमारे पास जानकारी है कि केरल में जो राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को चुनाव में सपोर्ट करने वाले लोग हैं, वो राष्ट्रीय विरोधी हैं। देश के खिलाफ काम करने वाले ऑल इंडिया मुस्लिम लीग ने कांग्रेस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया है। भविष्य में केरल भगवाधारी बन जाएगा।

संपादकीय

मौत के बोरवेल

ऐसे समय में जब देश–दुनिया नये साल के जश्न में डूबने जा रही है मध्यप्रदेश व राजस्थान में खुले बोरवेल में गिरने से हुई दो बच्चों की मौत विचलित करती है। राजस्थान के दोसा जिले और मध्यप्रदेश के गुना की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं। गाहे–बगाहे ऐसी खबरें पूरे देश से आती हैं। यह सोचकर ही मन सिहर उठता है कि कोई बच्चा कैसे एक अंधी सुरंग में भूखे–प्यासे, अपर्याप्त ऑक्सीजन व बिना हिले–डुले कुछ दिन मौत की प्रतीक्षा करता होगा। भय व घुप्प अंधेरे में बच्चा किन मानसिक व शारीरिक यातनाओं से गुजरता होगा, सोचकर भी डर लगता है। लेकिन फिर भी हमारा संवेदनहीन समाज व लापरवाह तंत्र इस त्रासदी को गंभीरता से नहीं लेता। जिस बोरवेल को खुदवाने में लाखों रुपये खर्च होते हैं, उसका मुंह बंद करने के लिये चंद रुपये खर्च करने में लोग आपराधिक लापरवाही दिखाते हैं। राजस्थान के कोटपुतली में बोरवेल में गिरी तीन साल की बच्ची को एक सप्ताह बाद भी न निकाला जाना तंत्र की विफलता को दर्शाता है। निस्संदेह, यह अभियान जटिल बताया जाता है और बारिश ने राहत कार्य में बाधा डाली, लेकिन शुरुआत में प्रशासन की शिथिलता पर सवाल उठे हैं। ऐसे अभियानों में राष्ट्रीय आपदा निरोधक बल तथा स्थानीय सुरक्षा बलों की नाकामी गाहे–बगाहे उजागर होती रहती है। निस्संदेह, ऐसे संकटों में तत्काल कार्रवाई और राहत– बचाव कार्य को आधुनिक तकनीक से शुरू करने की जरूरत महसूस की जाती रही है। यही वजह है कि आए दिन होने वाले बोरवेल हादसों के मद्देनजर देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2010 में इस बाबत दिशानिर्देश जारी किए थे ताकि ऐसे हादसों को टाला जा सके। जिसमें बोरवेल के चारों ओर बाड़ लगाने तथा मजबूत बोल्ट के साथ स्टील कवर लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आए दिन बोरवेल में बच्चों के गिरने के मामले सामने आ रहे हैं। जाहिर किसान व स्थानीय प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं। अन्यथा ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न होती। निस्संदेह, देश के विभिन्न भागों में बोरवेल हादसों का सामने आना जहां निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही को दर्शाता है, वहीं उन लोगों के आपराधिक कृत्य को भी दर्शाता है, जो बोरवेल का मुंह खुला छोड़ देते हैं। वहीं हादसे हमारे समाज में चेतना के अभाव को भी दर्शाते हैं कि खुले बोरवेल के खिलाफ आम लोगों के स्तर पर आवाज नहीं उठायी जाती। यह भी उल्लेखनीय है कि सिंचाई विभाग राजस्व का विषय होने के कारण इसमें केंद्र सरकार का दखल नहीं हो पाता। एक अनुमान के अनुसार देश में करीब पौने तीन करोड़ बोरवेल हैं। जिसमें से बड़ी संख्या में सूख चुके हैं। जिन्हें गैरजिम्मेदार लोगों द्वारा खुला छोड़ दिया जाता है, जो कालांतर हादसे की वजह बन जाते हैं। विडंबना यह भी है कि एनडीआरएफ द्वारा चलाये जाने वाले ऐसे राहत व बचाव के दो तिहाई अभियान नाकाम रहते हैं। दरअसल, सभी राज्यों में ऐसे मामलों में बच्चों की जान बचाने से जुड़े सुरक्षा उपाय हर जिले के अधिकारियों को एक मैनुअल के रूप में दिए जाने चाहिए। ताकि किसी हादसे के बाद राहत–बचाव कार्य तुरंत शुरू करके बच्चों को बचाया जा सके। संकट इस ओर भी इशारा करता है कि ऐसे मामलों में हमारा राहत व बचाव का तंत्र कितना शिथिल व निष्प्रभावी है। अकसर स्थिति जटिल होने पर सेना के विशेषज्ञों की भी मदद ली जाती है। कई बार इतनी देर बाद सेना के विशेषज्ञों को बुलाया जाता है कि बच्चों के बचने की उम्मीद क्षीण हो चुकी होती है। निश्चित रूप से बोरवेल की देखरेख करने वाली एजेंसियों से अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। ऐसे मामलों में लापरवाही दिखाने वाले अधिकारियों को दंडित करने की जरूरत है। उनका दायित्व बनता है कि खुले बोरवेल के मालिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। समाज के लोगों को भी इस बाबत सचेत करने की जरूरत है ताकि वे प्रशासन को खुले बोरवेल की सूचना दे सकें। यदि समाज सचेत और संवेदनशील रहेगा तो उसका दबाव प्रशासन भी महसूस करेगा। फिर इस सजगता–सतर्कता से कई बच्चों की अनमोल जिंदगी बचायी जा सकेंगी।

रहने लायक न रह पाने वाले शहरों में पारिस्थितिकी संकट

सोनम

बेंगलुरु के श्सुखद मौसमश के टैग को झटका लगा है, क्योंकि शहर में गर्मियों में अत्यधिक गर्मी की लहरें देखी गई, उसके बाद मूसलाधार बारिश ने शहर के विभिन्न हिस्सों में पानी भर दिया। इन अनियमित स्थितियों का प्रभाव सबसे कमजोर समूहों, जैसे गिग वर्कर्स और स्ट्रीट वेंडर्स पर असंगत है, जिन्हें आय, जीवन और आजीविका का नुकसान उठाना पड़ता है। उदाहरण के लिए, रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संबंधी खतरों के कारण अनुपस्थित रहने के कारण गिग वर्कर्स को प्लेटफॉर्म से रोक दिया जाता है। दिल्ली में किए गए एक अन्य अध्ययन ने अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों पर हीटवेव के विनाशकारी प्रभावों पर प्रकाश डाला। ब्सलन्दउनजम 61: स्वंकमकरू 0.67: थ्नससेबतममद ।सेव त्मंक – बेपसकतमद ब्'तरू दुनिया भर में सशस्त्र संघर्षों के प्रभाव पर संपादकीय इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, चरम जलवायु परिस्थितियों के खिलाफ इन समूहों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करना अधिकार का विषय बन जाता है। शहरी पूंजी समूहों–शहरों की अवधारणा अनादि काल से औद्योगिक पूंजीवाद की उपज रही है। इस विचार की निरंतर प्रासंगिकता और शहरों का बुनियादी ढांचा अभी भी निवासियों की सामाजिक जरूरतों के विपरीत पूंजीवादी उद्यमों की आर्थिक संवेदनशीलता को पूरा करता है। शहरों को केवल लाभ के केंद्र के रूप में नहीं बल्कि लोगों के आवास के रूप में देखने के लिए एक वैचारिक बदलाव की आवश्यकता है। शहरों की जीवनक्षमता एक भौतिकवादी अवधारणा के रूप में उभरी है, जिसमें परिवहन, सामुदायिक विकास, लचीलापन आदि जैसे नियोजन के कई क्षेत्र शामिल हैं। हालाँकि, 21वीं सदी में, शहरों की जीवनक्षमता के लिए प्रतिकूल जलवायु जैसी बड़ी चुनौतियों का सामना करना होगा। इस मुद्दे की गंभीरता मौसम के पैटर्न में होने वाले भारी बदलावों से कहीं आगे निकल गई है। इसका मतलब यह है कि ऐसे शहर इको–प्रीकैरियट श्रमिकों के लिए रहने लायक नहीं हैं। मैं काम करने वाले श्रमिकों के लिए एक शब्द है, जिन्हें उचित वेतन, नौकरी की सुरक्षा या रोजगार लाभ नहीं मिलता है। गिग वर्कर और स्ट्रीट वेंडर के रूप में काम करने वाले लोग इस श्रेणी में आते हैं। ऐसे श्रमिकों के लिए जलवायु लचीलापन न केवल उनकी जीवनक्षमता सुनिश्चित करने के लिए है, बल्कि उनकी जलवायु–संवेदनशील आजीविका की रक्षा करने के लिए भी है। स्ट्रीट वेंडर हीटवेव, प्रदूषण और जलभराव जैसे जलवायु जोखिमों के संपर्क में आते हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं, काम के घंटे कम होते हैं और खराब होने वाले सामान और आय का नुकसान होता है, जिससे उनके परिवार चक्रीय गरीबी में डूब सकते हैं। यह स्थिति, गिग वर्कर्स की सुरक्षा के लिए कानून की कमी और स्ट्रीट वेंडर्स (आजीविका का संरक्षण और स्ट्रीट वेंडिंग का विनियमन) अधिनियम, 2014 के असंगत कार्यान्वयन के साथ, उन्हें जलवायु के प्रति संवेदनशील स्थिति में छोड़ देती है। वर्तमान में, कोई भी नियामक ढांचा कर्नाटक में कमजोर समुदायों पर जलवायु आपदाओं के प्रभाव को प्रभावी ढंग से संबोधित नहीं करता है। गिग वर्कर्स के मामले में, हालांकि कर्नाटक ने सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक मसौदा कानून जारी किया है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में कोई बातचीत नहीं हुई है।

विरोध–प्रतिरोध के बीच पनपता जीवंत लोकतंत्र

प्रमोद

राजनीतिक, आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से 2024 का साल भारत के लिए घटनाओं और उपलब्धियों से भरा रहा। आर्थिक मोर्चे पर भारत का उदय नए पावर हाउस के रूप में हो रहा है, पर साल की सबसे बड़ी गतिविधि राजनीति से जुड़ी थी। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून 2024 को पूरा हुआ, पर जो परिणाम आए, उनसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को धक्का लगा। हालांकि, नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला, पर अब भाजपा के पास पूर्ण बहुमत न होने से वह अपने सहयोगी दलों का सहारा ले रही है। बीजेपी को सबसे बड़ा धक्का उत्तर प्रदेश में लगा है, जहां के कुल 80 क्षेत्रों में से उसे केवल 33 में विजय मिली। समाजवादी पार्टी ने राज्य में 37 सीटों पर जीत हासिल करके भाजपा को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। यह अप्रत्याशित था। राहुल गांधी के लिए भी व्यक्तिगत रूप से इस बार का चुनाव लाभकारी रहा। वर्ष 2019 में उन्हें अमेठी से हार का सामना करना पड़ा था, वहीं इस बार उन्होंने अमेठी से वापसी की। नेहरू–गांधी परिवार की एक अन्य सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस साल सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। लोकसभा चुनाव में अमेठी और वायनाड दोनों सीटों पर जीत के बाद राहुल गांधी ने वायनाड की सीट को छोड़ दिया, जहां से प्रियंका गांधी जीतकर आईं। लोकसभा चुनाव के परिणामों ने एकबारगी यह सोचने को मजबूर किया कि क्या बीजेपी की विजय के चक्के ने अब उल्टी दिशा में घूमना शुरू कर दिया है? पर ऐसा भी नहीं है। इस वर्ष आंध्र प्रदेश, अरुणाचल, ओडिशा, सिक्किम, हरियाणा, जम्मू–कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभाओं के चुनाव भी हुए। जम्मू–कश्मीर में एक दशक के बाद विधानसभा चुनाव हुआ था। राज्य में अनुच्छेद 370 हटने के बाद यह पहला चुनाव था। इस बार मतदाताओं ने वोटिंग के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस ने शानदार वापसी की। वहीं हरियाणा, जम्मू–कश्मीर के जम्मू क्षेत्र और खासतौर से महाराष्ट्र के परिणामों ने बीजेपी को भारी राहत प्रदान की। प्रधानमंत्री बनने के नरेंद्र मोदी ने गृह, रक्षा, वित्त और विदेश विभाग अपने उन्हीं सहयोगियों को सौंपे जो पिछले कार्यकाल में उनके मंत्री थे। इससे उन्होंने यह जाहिर कर दिया कि जैसा चल रहा था, वैसा ही चलेगा। बहरहाल केंद्र में गठबंधन की मजबूरियों के कारण इस सरकार को अब अगले चार साल तक अपने राजनीतिक–कार्यक्रमों को लागू करने में वैसी स्वतंत्रता नहीं होगी, जैसी पिछले दस वर्षों में रही। साल के अंत में सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' कार्यक्रम के साथ संविधान–संशोधन का विधेयक पेश किया है। उसे फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया है। अब उसे पास कराने के लिए जिस विशेष दो–तिहाई बहुमत की जरूरत भविष्य में होगी, उसके लिए सरकार को अपने गठबंधन सहयोगियों के अलावा दूसरे दलों के समर्थन की जरूरत भी होगी। साल की शुरुआत 22 जनवरी को अयोध्या के राममंदिर की स्थापना के साथ हो गई। लगता था कि अयोध्या–विवाद का समाधान हो जाने के बाद बीजेपी के पास एक मसला कम हो गया है, पर ऐसा है नहीं। वाराणसी के ज्ञानवापी, मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि, राजस्थान के अजमेर शरीफ और अब संभल के विवादों ने राष्ट्रीय–परिदृश्य को घेर लिया है। इन विवादों के संदर्भ में साल के आखिरी महीने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान ने एक और बहस को जन्म दे दिया है, जो संभवतः अगले साल के राष्ट्रीय–परिदृश्य को प्रभावित करती रहेगी। मोहन भागवत ने 19 दिसंबर को पुणे में 'हिंदू सेवा महोत्सव' के उद्घाटन के दौरान कहा, 'मंदिर–मस्जिद के रोज नए विवाद निकालकर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए, हमें दुनिया को दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं। अब वर्चस्व का जमाना खत्म हो गया है। यह सब पुरानी लड़ाइयां हैं, इन्हें भूलकर हमें सबको संभालना चाहिए।' भागवत के बयान पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कुछ धर्माचार्यों की प्रतिक्रियाओं ने उत्तर भारत के सर्द माहौल में गर्मी पैदा कर दी है। इस गर्मी के साथ साल के अंत में डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर पैदा हुई तल्खी भी साल की महत्वपूर्ण घटनाओं में एक है। अंबेडकर की विरासत को लेकर राजनीति में तूफान आया हुआ है। अमित शाह की टिप्पणी के बाद संसद के परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान दोनों पक्षों के बीच हाथापाई तक हुई। अगले साल की पहली तिमाही में ही दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, इसलिए यकीनन सभी दल इस मुद्दे को उठाना जारी रखेंगे। इस तूफान के लक्षण 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले प्रकट होने लगे थे, जब कांग्रेस ने जाति और संविधान की रक्षा को अपना मुद्दा बनाया। कहा गया कि भारतीय जनता पार्टी '400 पार' इसलिए चाहती है, ताकि वह संविधान को खत्म कर सके। संविधान खत्म होगा, तो आरक्षण भी खत्म हो जाएगा। माना जाता है कि आरक्षण खत्म होने के भय ने दलित वोटर को 'इंडिया' गठबंधन की शरण में जाने को प्रेरित किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और जेल से बाहर आने के बाद उनके इस्तीफे ने भी राजनीतिक गलियारों में हलचल मचाई है। केजरीवाल के अलावा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इस साल जेल जाना पड़ा, पर विधानसभा चुनाव में उनकी जीत ने इस कष्ट को काफी कम कर दिया। चुनाव का वर्ष होने के कारण इस साल पहले फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया गया और फिर नई लोकसभा के गठन के बाद जुलाई में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने पूर्ण बजट पेश किया। आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति के क्षेत्र में यह साल भारत के लिए उत्साहवर्धक रहा। अर्थव्यवस्था ने 2024 में अपनी रिकवरी जारी रखी, देश ने 7 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर्ज की, जिससे यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन रही है। भारत, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जो चौथे स्थान वाले जर्मनी को जल्दी ही पीछे छोड़ देगा। दूसरी तरफ जुलाई–सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर अप्रत्याशित रूप से गिरकर 5.4 प्रतिशत पर आ गई, जो सात तिमाहियों में सबसे कम है, जबकि मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है। इससे कुछ चिंता जरूर बढ़ी है, लेकिन रिजर्व बैंक ने पुष्टि की कि यह मंदी और मुद्रास्फीति उच्च खाद्य लागतों के कारण है, जो जनवरी–मार्च तिमाही तक सामान्य हो जाएगी। देश में हर दिन औसतन 27 किलोमीटर नई सड़कें बनीं। इस दौरान 79 प्रतिशत भारतीय घरों में नल का पानी पहुंच गया है। रेलवे के विस्तार की दृष्टि से उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल संपर्क पूरा होना एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में परिवहन बेहतर हो गया है। साल का समापन अंतरिक्ष में दो यानों की डॉकिंग के स्पेडेक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट) मिशन से हो रहा है। दुनिया में सिर्फ तीन देश–अमेरिका, रूस और चीन के पास ही दो यानों की डॉकिंग की क्षमता है। भारत को अपने स्पेस स्टेशन को बनाने के लिए इस तकनीक की जरूरत है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इस साल आने वाले वर्षों के अंतरिक्ष मिशनों की एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। इसमें चंद्रयान–4, चंद्रयान–5 और गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम शामिल हैं। भारत 2035 तक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करेगा, वहीं 2040 तक चंद्रमा पर मानव उतारकर इतिहास रचेगा। सितंबर में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में अंतरिक्ष कार्यक्रमों को लेकर कुछ फैसले किए गए। सरकार ने अपने शुक्र ऑर्बिटर मिशन, गगनयान फॉलो–ऑन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के साथ–साथ अगली पीढ़ी के लॉन्च वाहन विकास को भी मंजूरी दी। इस साल लंबी दूरी की हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल के सफल परीक्षण ने भारत की रक्षा तैयारियों को काफी मजबूत किया। इसके अलावा, भारत ने अमेरिका के साथ 3.5 अरब डॉलर का ड्रोन सौदा किया, जिससे तीनों सेनाओं की क्षमता में वृद्धि होगी।

अमित शाह की रणनीति से नक्सलवाद पर लगाम

उमेश

बीते वक्त में क्या खोया और क्या पाया, हर नए साल के साथ इसके मूल्यांकन की परंपरा है। इस लिहाज से अगर बीते हुए यानी साल 2024 का मूल्यांकन करेंगे तो कई बिंदुओं पर हमें निराशा हाथ लगेगी तो कई उपलब्धियों और कामयाबियों का भी जिक्र होगा। लाल आतंक के रूप में विख्यात नक्सलवाद पर नकेल बीते हुए साल की उपलब्धि कही जा सकती है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, लेकिन इसमें भूमिका राज्यों की भी कम नहीं रही है। बीते साल सुरक्षा बलों की कार्रवाई में भारी संख्या में नक्सली या तो मारे गए हैं या फिर गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ ही कई नक्सलियों ने समर्पण करके मुख्यधारा की जिंदगी को अपनाया है। नक्सली आतंक पर कामयाबी के पीछे रही तीन–स्तरीय रणनीति, जिसके तहत सबसे पहले नक्सलियों पर समर्पण का दबाव बनाया गया। अगर इसके बावजूद नक्सली नहीं मानता तो उसकी पहले गिरफ्तारी के लिए रणनीति बनाई गई। इसके बावजूद अगर नक्सलवादी नहीं माने तो उनके खिलाफ निर्णायक मुठभेड़ की तैयारी की गई। इसी का असर रहा कि बीते साल अकेले छत्तीसगढ़ राज्य मे ही करीब एक हजा से ज्यादा नक्सलियों ने या तो आत्मसमर्पण किया या फिर उनकी गिरफ्तारी की गई है, जबकि करीब 287 नक्सली मारे गए। इनमें झारखंड में मारे गए नक्सलियों की संख्या सिर्फ नौ रही, जबकि सबसे ज्यादा नक्सली छत्तीसगढ़ में मारे गए। झारखंड में इसी तरह एक सैक मेम्बर, दो जोनल कमांडर, छह सब जोनल कमांडर और छह एरिया कमांडर गिरफ्तार किए गए। इन सभी नक्सलियों पर 36 लाख का इनाम घोषित था। छत्तीसगढ़ की कमर सबसे ज्यादा उस छत्तीसगढ़ में टूटती नजर आ रही है, जहां नक्सलियों कभी कांग्रेस के तकरीबन समूचे राज्य नेतृत्व को खत्म कर दिया था। छत्तीसगढ़ में करीब 867 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। नक्सलवाद के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण नक्सल प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी को माना जाता रहा है। नक्सलवाद का समूल नाश करने के लिए मौजूदा केंद्र सरकार ने सबसे पहले इसी समस्या को खत्म करने पर जोर दिया। इसके तहत केंद्र सरकार ने विकास और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। बस्तर समेत तमाम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के हजारों गांवों को सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा गया। इन गांवों में बुनियादी सहूलियतों का बहाल किया गया। इसकी वजह से इन इलाकों के स्थानीय निवासियों की जिंदगी की कठिनाइयां कम हुईं। इसकी वजह से उन्होंने विकास की धारा को अपनी आंख से देखा और भारतीय राष्ट्र राज्य के बारे में उनकी धारणा बदली। इस धारणा को बदलने के बाद सुरक्षा बलों के लिए नक्सलियों को रोकने के लक्ष्य में बड़ी सफलता मिली। नक्सलियों को लोक समर्थन कम हुआ। इसके साथ ही सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की शुरुआत की। इसके तहत 15,000 आवास बनाने का फैसला लिया गया, साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में रोजगार को लेकर विशेष योजनाएं चलाई गईं। इससे न केवल हिंसा में कमी आई, बल्कि स्थानीय लोगों की जिंदगी की दुश्वारियां कम हुईं। इसकी वजह से उन लोगों का मन बदला, जो माओवाद की राह पर नक्सलवादी वैचारिक बहकावे में चल पड़े थे। बुनियादी ढांचा सुधारने, रोजगार की स्थितियों बेहतर बनाने और विकास की धारा को बहाने के बावजूद लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे लोगों के लिए मुख्यधारा में लौटना या मुख्यधारा के प्रति भरोसा बनाना बिना सुरक्षा सुनिश्चित किए संभव नहीं था। सरकार ने इस मोर्चे पर भी काम किया और सुरक्षा बलों की प्रभावी उपस्थिति हर संभव स्तर पर की। नक्सल प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य और शिक्षा सहूलियत को बढ़ावा देने के लिए युद्धस्तर पर कार्यक्रम चलाए गए। पहले इन इलाकों के लिए स्कूल और अस्पताल सपना थे, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। इसके साथ ही, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना भी की गई है। जहां आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। इससे भी नक्सल प्रभावित इलाकों के लोगों का मन बदल रहा है। स्थानीय समुदायों का सहयोग इस अभियान की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है। अमित शाह ने प्रभावित क्षेत्रों में जनता से सीधे संवाद स्थापित किया है। ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। स्थानीय सुरक्षा बलों को मजबूत करते हुए उनकी मदद से नक्सलवाद को कमजोर किया गया है। इन प्रयासों ने न केवल जनता का विश्वास जीता है, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और स्थिरता लाने में भी मदद की है। ड्रोन जैसी तमाम तकनीकों के जरिए जहां माओवादियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, वहीं सटीक सूचनाओं के चलते उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में भी आसानी हुई है। इसके साथ ही नक्सलियों के लिए की जा रही परोक्ष और अप्रत्यक्ष फंडिंग पर नकेल कसी गई है। हालांकि सरकार के इस कदम को लेकर राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना झेलनी पड़ी है। लेकिन केंद्र सरकार ने अपना रुख नहीं बदला। इससे नक्सलियों की आर्थिक रीढ़ कमजोर हुई है। गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। नक्सलवाद पर नकेल कितना कारगर रहा है, इसका ही असर है कि देश के अब सिर्फ 38 जिले ही नक्सल प्रभावित माने जा रहे हैं, जबकि पहले ऐसे जिलों की संख्या 120 से अधिक थी। नक्सलवाद से जुड़े सिमटते आंकड़े ही बता रहे हैं कि केंद्र सरकार की नक्सलविरोधी रणनीति की दिशा सही है। सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 15,000 से अधिक आवास बनाए जा रहे हैं। जिनमें विस्थापित परिवारों को रहने की सुविधा दी जा रही है। नक्सलवाद से विस्थापित परिवारों के लिए राहत शिविर भी बनाए गए हैं। समर्पण कर चुके नक्सलियों और नक्सल प्रभावित इलाके के के लोगों को रोजगार दिलाने के लिए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां आत्मसमर्पण करने चुके नक्सलियों को उनकी रूचि वाले कारोबार और व्यवसाय के प्रशिक्षित किया जाता है। साथ ही रोजगार मेले भी आयोजित किए जाते रहे। जिनके जरिए सरकारी और निजी, दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को आर्थिक सहायता के साथ ही बैंकों से कर्ज भी आसान दर पर दिलवाया जा रहा है। केंद्र सरकार की इन योजनाओं को लागू करने में सरकार ने श्रीलंका और कोलंबिया जैसे देशों में अपनाई गई पुनर्वास नीतियों का भी असर है।

आर्सेनिक की अधिकता से जीवन पर संकट

ज्ञानेन्द्र

देश के भूजल में आर्सेनिक की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। आज देश के 25 राज्यों के लगभग 230 जिले भूजल में बढ़ती आर्सेनिक समस्या से पीड़ित हैं। दुनिया भर में देखें तो लगभग 50 करोड़ लोग भूजल में आर्सेनिक की समस्या से जूझ रहे हैं। इससे पिगमेंटेशन, हाइपरकेराटोसिस, अल्सरेशन, त्वचा कैंसर, किडनी कैंसर, फेफड़ों का कैंसर के अलावा अब हृदय, लीवर, त्वचा के रंग में परिवर्तन, हथेलियों और तलवों पर सख्त धब्बे, पैरों की रक्तवाहिकाओं और मूत्राशय संबंधी बीमारियां हो रही हैं। वैज्ञानिकों ने आर्सेनिक युक्त दूषित पानी पीने से मधुमेह, उच्च रक्तचाप और प्रजनन संबंधी बीमारियों की आशंका भी जताई है। देश में कोलकाता का नाम आर्सेनिक से प्रदूषित शहरों में शीर्ष पर है। इस समय, देश के 27 राज्यों के 469 जिले फ्लोराइड से संदूषित हैं। भारत में भूजल में आर्सेनिक की मात्रा स्वीकार्य सीमा से काफी अधिक है, जिससे पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, असम, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और कर्नाटक सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। भारत में आर्सेनिक से प्रभावित लोगों की संख्या 5 करोड़ से अधिक है। आज असलियत में गंगा–मेघना–ब्रह्मपुत्र के मैदान का उत्तराखंड से लेकर पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश सहित देश के पूर्वोत्तर के राज्य का भूजल आर्सेनिक से दूषित है। बांग्लादेश, भूजल में सर्वाधिक आर्सेनिक प्रदूषित देशों की सूची में शीर्ष पर है। दरअसल, भूजल में आर्सेनिक की मौजूदगी मुख्यतः 100 मीटर गहराई तक के जल में बनी रहती है। इससे गहरा जल आर्सेनिक से मुक्त रहता है लेकिन सबसे ज्यादा भूजल का उपयोग 100 मीटर तक के जल का होता है, इसलिए इसमें ही आर्सेनिक का प्रभाव सबसे ज्यादा रहता है। आर्सेनिक से दूध भी अछूता नहीं है। चूंकि आर्सेनिक युक्त भूजल का उपयोग सिंचाई कार्यों में भी होता है, इसलिए अकार्बनिक तत्व पौधों के शरीर में पहुंचकर जड़ों, तनों और पत्तियों के माध्यम से आगे बढ़ते हैं। और अंत में अनाज और सब्जियों में जाकर जमा हो जाते हैं। दरअसल, पानी में घुलनशील अकार्बनिक आर्सेनिक बहुत ही जहरीला होता है। इसके सेवन से जठरांत्र रोग सम्बन्धी लक्षण से मृत्यु तक हो जाती है। गौरतलब है कि चट्टानों और खनिजों के अपक्षय के दौरान आर्सेनिक मिट्टी और भूजल में प्रवेश करता है। यह मानवजनित स्रोतों से मिट्टी और भूजल में प्रवेश करता है। यह पर्यावरण के लिए भी खतरा है। क्योंकि आर्सेनिक उच्च तापमान प्रक्रियाओं जैसे कि कोयला आधारित बिजली संयंत्रों, वनस्पतियों को जलाने और ज्वालामुखी विस्फोट द्वारा वायुमंडल में उत्सर्जित होता है। पानी में विशेष रूप से भूजल में, जहां सल्फाइड खनिज जमा होते हैं और ज्वालामुखीय चट्टानों से निकलने वाली तलछट जमा होती है, आर्सेनिक की सांद्रता काफी बढ़ जाती है। दुनियाभर के जलस्तर में आर्सेनिक की बढ़ती मात्रा के चलते कैंसर के रोगियों की तादाद में बढ़ोतरी हो रही है। दुनिया में 2011 और 2019 के दौरान हर साल औसतन आर्सेनिक से हो रहे कैंसर के मामलों में 11.2 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हो रही है। वहीं आर्सेनिक युक्त पानी पीने से किडनी के कैंसर के रोगियों की तादाद में 6 फीसदी की दर से

बढ़ोतरी हो रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक इसे सातवां सबसे आम कैंसर माना गया है। अमेरिका के टेक्सास स्थित ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ के वैज्ञानिकों के अनुसार आर्सेनिक युक्त पानी से किडनी के कैंसर का खतरा दो गुना हो जाता है। शोध में खुलासा हुआ है कि जिन क्षेत्रों में बसी आबादी जलाशयों, कुएं या फिर नदियों पर निर्भर हैं, वहां कैंसर का जोखिम 22 फीसदी अधिक पाया गया है। इससे किडनी या फेफड़े के कैंसर की संभावना बलवती हो जाती है। समूची दुनिया में 40 मिलियन से अधिक लोग पीने के पानी के लिए टैंकर या हैंडपंप के पानी पर निर्भर हैं। इससे आर्सेनिक के संपर्क में आने की प्रबल संभावना रहती है। वास्तव में, आर्सेनिक प्राकृतिक रासायनिक तत्व है। इसे जहरीली धातु माना जाता है। पानी से आर्सेनिक हटाने की दिशा में इस्तेमाल किए जाने वाले तरीकों में सोखना, आसवन और आयन एक्सचेंज में रिवर्स आस्मोसिस यानी आरओ जल निष्पादन प्रणाली सबसे बेहतर है। इससे आर्सेनिक जैसे घुले प्रदूषक हटा दिये जाते हैं। हानिकारक आर्सेनिक से पानी को मुक्त करके पानी को पीने योग्य बनाया जा सकता है। यह प्रणाली पानी को अर्धपारगम्य झिल्ली के माध्यम से साफ करने हेतु दबाव का काम करती है। आर्सेनिक से दूषित भूजल का जैविक उपचार आर्सेनिक को बायोमास में अवशोषित करके या बायोजेनिक हाइड्रोक्साइड या सल्फाइड के साथ सह अवक्षेपण करके किया जा सकता है। वैसे सरकार द्वारा भूजल में आर्सेनिक की अधिकता से उत्पन्न खतरे से निपटने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं और जल उपचार संयंत्रों के विकास का वादा भी कर रही है। लेकिन इसकी समुचित निगरानी की व्यवस्था न हो पाने के कारण यह योजना कामयाबी से कोसों दूर है।

दबंगो ने दलित युवक का सर मुंडवाकर सड़क पर घुमाया–सुदर्शन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समाजवादी पार्टी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राम बाबू सुदर्शन ने कहाकि यूपी में दलितों पर आयेदिन अत्याचार अन्याय और हत्या जैसी जघन्य अपराध की घटनाएं बढ़ती ही जा रही है प्रदेश में गुंडों दबंगो के अंदर कानून व्यवस्था का डर खत्म हो चूका है। श्री सुदर्शन ने कहाकि यूपी के जिला फतेहपुर की घटना इसका जीता जगता उदहारण है जिस तरह से गांव के ही दबंगो ने एक दलित युवक का सर मुंडवाकर सड़क पर घुमाया अपमानित किया,अमानवीयकृत किया। दबंगों ने न केवल उसका सिर मुंडवाया, बल्कि परिवार पर हमला भी किया। जब घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा तब पुलिस प्रशासन आनन फानन में हरकत में आया। धर्म और दबंगई के नाम पर प्रदेश में दलितों, वंचितों पर खुले आम जघन्य अपराध की घटनाएं दबंगो द्वारा की जा रही है और भाजपा सरकार तमाशबीन बानी दूर से देख रही है प्रदेश में पुलिस प्रसाशन का डर खत्म हो रहा है। श्री सुदर्शन ने आगे कहाकि किसी एक जिले में नहीं बल्कि पुरे प्रदेश भर में दबंगो के हौसले इतने बढ़े हैकि जो मन में आ रहा है खुले आम कर रहे है जिस तरह से मुजफरनगर नगर में दलित युवक को दबंगो ने पीट पीटकर बेरहमी उसकी हत्या कर दी। आखिर कबतक योगी सरकार में इसी तरह से दलितों वंचितों पर अत्याचार,अन्याय की घटनाएं होती रहेंगी प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है।

जागरूकता कार्यक्रम के तहत बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संकल्प लिया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जे सी गेस्ट हाउस निराला नगर लखनऊ में सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली और प्रगति पथ सेवा संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यक्रम की व्यवस्था संतोष राय और पार्टी द्वारा प्रस्तुत झांकी में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय युवा वाहिनी के यशश्वी राष्ट्रीय अध्यक्ष देव

प्रकाश शुक्ला एवं राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विशाल, अमित शुक्ला को आमंत्रित किया गया स जहां पर जागरूकता कार्यक्रम के तहत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संकल्प लिया गया स इस कार्यक्रम की अध्यक्षता छविनाथ पांडे द्वारा की गयी स इस कार्यक्रम में लोग गायक संतोष राय द्वारा उपस्थित झांकी सामाजिकता से प्रेरित रही सप्रोग्राम को संपन्न कराने में राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय सलाहकार कमलेश सिंह भदोरिया एवं संयोजक सत्येंद्र शुक्ला को बहुत–बहुत धन्यवाद ।

नये वर्ष में नयी ऊर्जा के साथ कार्य करेगी उनकी टीम: जिलाधिकारी

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

नये वर्ष की प्रथम जन सुनवाई में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने वर्चुअल माध्यम से जुड़े जनसुनवाई कर रहे सभी अधिकारियों को नव वर्ष की बधाई दी तथा सभी को सन्देश दिया की नये वर्ष में नयी ऊर्जा के साथ जन शिकायतों का गुणवत्ता के साथ निस्तारण कराया जाये। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ

पहुँचाने के लिए सभी अधिकारी मन लगाकर कार्य करें। सभी अधिकारियों ने भी जिलाधिकारी को नये वर्ष की बधाई दी तथा आश्वासन दिया कि वह जिलाधिकारी के निर्देशानुसार मन लगाकर कार्य करेंगे। इसके साथ ही जिलाधिकारी को बधाई देने वालों का लगातार तांता लगा रहा। अधिकारी व समाज के विभिन्न वर्गों के लोग लगातार बधाई देने आते रहे। बड़ी संख्या में वकील, उद्योग व व्यापार प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी को नये वर्ष की बधाई दी। सभी ने जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में किये गए कार्यों की सराहना की। जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन की संतुष्टि ही उनका अंतिम लक्ष्य है। नये वर्ष में वह और उनकी टीम नयी ऊर्जा के साथ कार्य करेगी।

'अयोध्या श्री राम अस्पताल के मुख्य द्वार पर पाइपलाइन गड़बड़ी से जलभराव, मरीजों को हो रही परेशानी'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या के श्री राम अस्पताल के मुख्य द्वार पर पाइपलाइन में गड़बड़ी के कारण आज जलभराव हो गया, जिससे अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी हो रही है। जलभराव के कारण अस्पताल में प्रवेश करने वाले लोग गंदे पानी के बीच से होकर गुजरने पर मजबूर हैं, जिससे उन्हें असुविधा हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पाइपलाइन में खराबी के चलते यह जलभराव हुआ है। इस समस्या को लेकर लोगों ने नगर निगम अयोध्या से तत्काल कार्रवाई की अपील की है। उनका कहना है कि यदि यह समस्या तुरंत हल नहीं की जाती तो आने वाले दिनों में यह और गंभीर हो सकती है। मरीजों और उनके परिजनों ने नगर निगम और संबंधित अधिकारियों से शीघ्र समाधान की मांग की है, ताकि आने–जाने में किसी को कोई और परेशानी न हो और अस्पताल के बाहर की स्थिति सुधरे।

बालेश्वर लाल आजीवन ग्रामीण पत्रकारों के हक-हकूक लिए संघर्ष करते रहे : सांसद सनातन पाण्डेय

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गड़वार(बलिया) रू ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष बालेश्वर लाल जी की 95 वीं जयंती पर बुधवार को आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद सनातन पांडेय ने कहा कि बालेश्वर लाल आजीवन ग्रामीण पत्रकारों के हक–हकूक लिए संघर्ष करते रहे।उनके आदर्शों व नीतियों को आत्मसात कर उनके अधूरे कार्यों को पूरा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। गोष्ठी को पूर्व मंत्री राजधारी सिंह,पूर्व विधायक सुधीर राय, कैप्टन वीरेंद्र सिंह,ओम प्रकाश द्विवेदी,कृष्ण मुरारी पांडेय,गुप्तेश्वर पाठक,जय प्रकाश गोविन्द राव,रणजीत राय,नागेंद्र शर्मा आदि ने संबोधित किया।संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार ने संगठन की नीतियों व कार्यों पर विस्तार से विचार व्यक्त किया।इस मौके पर अतिथियों व पत्रकारों को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।इसके पूर्व बालेश्वर लाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर गोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने किया।सेनानी राम विचार पांडेय,सुभाष जी,बसंत पांडेय,प्रशांत, पीयूष, प्रखर,लल्लन गुप्ता आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह व संचालन छोटे लाल ने किया।

'योग गुरु स्वामी महेश योगी ने अनवरत 101 घंटे में 2551 बार श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर पूर्ण किया दिव्य आध्यात्मिक अनुष्ठान'

अयोध्या (ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार !शताब्दी नगर, मेरठ में अनवरत 101 घंटे में 2551 बार श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर स्वामी महेश योगी ने आध्यात्मिक क्षेत्र में भारत गौरव बढ़ाया है। पांच दिनों तक एक ही आसन में बैठकर तथा निराहार व निराजल रहकर महेश योगी जी श्री चालीसा का पाठ किया। इस अनुष्ठान को दुनिया की सबसे बृहद साधना के रूप में एशिया बुक रिकॉर्ड ने अपने रिकॉर्ड बुक में दर्ज किया। अयोध्या के लोकप्रिय संतध आध्यात्मिक गुरु स्वामी महेश योगी ने धार्मिक जागृति एवं जन कल्याण हेतु मेरठ की धरा पर 101 तक श्री हनुमान चालीसा का अनवरत 2551 पाठ कर अपने संस्थान दिव्य भारत निर्माण ट्रस्ट के नाम 120 वां विश्व कीर्तिमान स्थापित कर धर्म एवं आध यात्म के क्षेत्र में एक अनोखा इतिहास रच दिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पुनीत गोयल केशव जी ने बताया कि पंचवटी एनक्लेव, शताब्दी नगर, मेरठ में दिव्य निर्माण ट्रस्ट द्वारा 20 दिसंबर 2024 दिन शुक्रवार को प्रातः 8:00 बजे से 24 दिसंबर 2024 दोपहर 1रू00 दिन मंगलवार तक अनवरत 101 घंटे तक योग गुरु स्वामी महेश योगी जी ने एक ही आसन में बैठकर तथा निराजल व निराहार रहकर बिना रुके अनवरत 2551श्री हनुमान चालीसा पाठ कर जनकल्याण हेतु एक दिव्य अध्यात्मिक महा यज्ञानुष्ठान को पूर्ण किया है। यह अनुष्ठान जन–जन में सकारात्मक ऊर्जा के संचार करेगी तथा युवाओं को धर्म और आध्यात्म के प्रति व आध्यात्मिक शिक्षा के प्रति प्रेरित करेगी। श्री हनुमान चालीसा पाठ के इस दिव्य अनुष्ठान को किसी एक व्यक्ति द्वारा, एक स्थान पर, एक ही समय में, सबसे अधिक हनुमान चालीसा का पाठ करने को विश्व सबसे बड़ा एकल अनुष्ठान मानकर कल दिनांक 27 दिसंबर 2024 को एशिया बुक रिकॉर्ड में अपनी रिकॉर्ड बुक में भी अंकित कर लिया है।

छात्रा को अकेला देख शोहदे करने लगे छेड़खानी

गोरखपुर, (संवाददाता)। चौरीचौरा इलाके के करमहा ओवरब्रिज के नीचे सोमवार शाम 3रू45 बजे 11वीं की छात्रा की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पिता का आरोप है कि शोहदों ने छेड़खानी का विरोध करने पर उसे ट्रेन के आगे धक्का दे दिया। उधर, पुलिस का कहना है कि छात्रा ने पिता को वहां अचानक देखकर भागने की कोशिश की, इसी दौरान ट्रेन की चपेट में आ गई। चौरीचौरा क्षेत्र के एक गांव की 16 साल की किशोरी सरदारनगर जीजीआईसी में पढ़ती थी। स्कूल की छुट्टी के बाद पैदल घर लौट रही थी। ओवरब्रिज के नीचे ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। घटनास्थल से थोड़ी ही दूरी पर मौजूद छात्रा के पिता का आरोप है कि ओवरब्रिज के नीचे पहले

से मौजूद दो युवक उनकी बेटी से छेड़खानी कर रहे थे। बेटी के विरोध पर उसे मौर्य एक्सप्रेस के आगे धकेल दिया। सूचना पर पहुंचे एसआई अजीत यादव व तरकुलहा चौकी प्रभारी सौरभ झा को वहां एक बाइक मिली। पिता ने जिस युवक को देखा था, उसी के पिता के नाम से बाइक है। बताया जा रहा छात्रा के साथ उसकी दो सहपाठी भी थीं। घटना के बाद दहशत में दोनों भाग गईं। पुलिस उनके बारे में जानकारी जुटा रही है। ट्रेन चालक ने भी बताया कि लड़की भागते हुए ट्रेन के सामने आ गई। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। किन परिस्थितियों में छात्रा की मौत हुई है, इसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सिर्फ हो रही जांच खाते में कब आएंगे रुपये

गोरखपुर, (संवाददाता)। यूको बैंक शाहपुर में जालसाजी के शिकार उपभोक्ताओं को अब अपनी रकम की चिंता सताने लगी है। उनका कहना है कि जांच तो ठीक है लेकिन उनकी लुटी रकम कब उनके खाते में आएगी। इसकी सही जानकारी कोई नहीं दे रहा है। बैंक प्रबंधन सिर्फ आश्वासन देकर टरका रहा है। यूको बैंक शाहपुर में लगभग 23 खातों से 10 लाख से ऊपर की जालसाजी सामने आई है। मामले में पुलिस ने पांच केस दर्ज कर निलंबित हेड कैशियर कलीम अहमद को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया है। पुलिस अब उसके स्वीपर भाई की मिलीभगत का और पुख्ता सुबूत एकत्र कर रही है। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी कभी भी की जा सकती है। शाहपुर की खाताधारक रहिमुन ने बताया कि पति के साथ साइकिल की दुकान पर पंक्चर बनाकर जीवन यापन वर्षों से चल रहा है। एक एक रुपये जोड़कर खाते में 1.80 लाख रुपये जमा किए थे। एक दिन पता चला कि खाते में रुपये ही नहीं है। लड़की की शादी करनी है, इलाज करवाना है लेकिन रुपये नहीं है। अब बैंक प्रबंधन जांच पूरी होने का आश्वासन देकर टाल रहा है। वहीं कुरावल निवासी खाताधारक रमाशंकर ने बताया कि खाते से 3. 50 लाख रुपये जालसाजी से निकाल लिए गए। अब वह रुपया उनको कब मिलेगा, इसकी जानकारी कोई देने वाला नहीं है। रुपये न होने से दूसरों के सामने हाथ पसारना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जांच प्रक्रिया तेज कर उनके खातों में जल्द रुपये भेजे जाएं। इधर, बैंक प्रबंधन की ओर से एसएसपी को दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर बेलघाट पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। जल्द ही मामले में एक और केस लिखे जाने की बात कही जा रही है। इस संबंध में बेलघाट थानाध्यक्ष श्याम देव चौधरी का कहना है कि पुलिस अब कैशियर के भाई आरोपी शमीम के खिलाफ और साक्ष्य जुटा रही है। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी की जाएगी। वहीं इस संबंध में शाखा प्रबंधक अमित कुमार यादव ने बताया कि किसी का धन नहीं डूबेगा। मामले की जांच चल रही है।

तत्कालीन डीएम, एडीएम समेत 27 अधिकारियों पर केस दर्ज

गोरखपुर, (संवाददाता)। शहर के हमीदनगर मोहल्ले में फरेंदा रोड के किनारे मनोज टिबड़ेवाल के घर को बगैर नोटिस दिए 13 सितंबर 2019 को तोड़ दिया गया था। इस मामले में तत्कालीन डीएम अमरनाथ उपाध्याय, एडीएम कुंज बिहारी समेत 27 अधिकारियों के खिलाफ सदर कोतवाली में केस दर्ज हुआ है। जिले में हुई इस बड़ी कार्रवाई को लेकर हडकंप मच गया है। हमीद नगर के रहने वाले मनोज टिबड़ेवाल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट को 2019 में ही चिट्ठी भेजकर अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि 13 सितंबर को नेशनल हाईवे निर्माण के दौरान उनका पुश्तैनी मकान गिरा दिया गया था। इससे पहले न तो जमीन का अधिग्रहण हुआ, न ही उन्हें अतिक्रमण को लेकर कोई नोटिस दिया गया था। अचानक मकान तोड़ दिया गया। यहां तक की घर में रखा सामान हटाने तक का मौका नहीं दिया गया। पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को आदेश दिया था कि उस व्यक्ति को 25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए, जिसका घर 2019 में गिराया गया था। कोर्ट के इस फैसले के बाद अन्य पीड़ितों को मुआवजा पाने की आस जगी है। महराजगंज कस्बे में वर्ष 2019 में हाईवे निर्माण के दौरान 123 लोगों के मकान तोड़े गए थे।

'स्वामी महेश योगी ने अनवरत 47 घंटे में ग्यारह सौ ग्यारह श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर पूर्ण किया बृहद आध्यात्मिक अनुष्ठान'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या श्री हनुमानगढ़ी के लोकप्रिय संत, श्री हनुमान जी के परम उपासक डा. महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी ने राजधानी दिल्ली में 11 दिवस तक अनवरत कपालभाति की साधना के संकल्प व्रत को पूर्ण करने हेतु 24 नवंबर प्रातः 7रू00 बजे राजधानी में श्री हनुमान चालीसा का अनवरत 1111 पाठ करने का एक बृहद अनुष्ठान आरंभ किया जिसका समापन 26 नवंबर प्रातः 6रू00 बजे लगभग 47 घंटे में 1111 हनुमान चालीसा का पाठ पूर्ण कर इस दिव्य अनुष्ठान की पूर्णाहुति किया। अयोध्या सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी में छरू माह से श्री हनुमान जी के सानिध्य में अष्टसिद्धि साधना व रुद्र राज योग की साधना कर रहे स्वामी महेश योगी जी सम्पूर्ण भारत वर्ष में श्री हनुमान भक्ति आन्दोलन संचालित कर सनातन धर्म के अभ्युदय तथा योगमय भारत बनाने जैसे अनेकों महनीय उद्देश्यों की प्राप्ति के लिय साधना रत हैं। जन जन में योग शक्ति की ऊर्जा पुंज को स्थपित करने हेतू स्वामी जी ने अनेकों अभियान चलाया तथा भारत के चारों दिशाओं में चार दिव्य योग धाम की स्थापना के लिए कार्य कर रहे हैं। अपनी कठोर दृढ़ साधना से महेश योगी ने पहले भी अनेकों आश्चर्य जनक विश्व कीर्तिमान बनाकर विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया है। जिसमें अनवरत 2 करोड़ 18 लाख 26800 कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड, अनवरत 76 घंटे तक योग मैराथन करने का विश्व रिकॉर्ड, अनवरत 51 घंटे कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड, 1 मिनट में 21 बार सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड, अयोध्या मां सरयू की गोद में लगातार 13100 बार डुबकियां लगाने का विश्व रिकॉर्ड, चित्रकला के क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी व्यक्ति चित्र श्रृंखला बनाने तथा भारत ऋषि ज्ञान एनसाइक्लोपीडिया के लेखन कार्य जैसे अनेकों विशिष्ठ विश्व कीर्तिमान महेश योगी जी के नाम से दर्ज हैं।

मोहनलालगंज पुलिस टीम द्वारा हत्या का प्रयास करने की घटना का किया गया सफल अनावरण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डीसीपी साउथ ने प्रेस वार्ता में बताया कि दिनांक 29. 12.2024 को वादिनी सुमनपत्नी अरुण नि० दीवानगंज थाना मोहनलालगंज लखनऊ द्वारा सूचना दी गयी कि सुबह करीब 7.00 बजे उनके पति अरुण कुमार उर्फ मन्नू के फोन पर फोन किया तो फोन बंद आ रहा था। जिसके बाद खेत पर जा के देखा तो पति के गले पर कटे

का निशान है, आस–पास खून पडा हुआ था। सूचना पर तत्काल थाना मोहनलालगंज पुलिस द्वारा पीड़ित को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया तथा वादिनी की सूचना पर मोहनलालगंज लखनऊ में मु0अ0सं0 597/24 धारा 109/351(3) छछै पंजीकृत किया गया। उक्त घटना के अनावरण हेतु तत्काल दो टीमों का गठन किया गया। इन टीमों द्वारा टेक्निकल व मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि पीड़ित अरुण कुमार उर्फ मन्नू उपरोक्त को उसके मौसी के लड़के सजीवनलाल से जमीनी विवाद था। पीड़ित अरुण कुमार उर्फ मन्नू उपरोक्त रात में खेत की रखवाली हेतु खेत पर बनी गुमटी में सोता था, बगल में अभियुक्त सजीवनलाल भी अपने खेत की रखवाली में रहता था। भूमि के बटवारे में अरुण को सड़क के किनारे की जमीन मिली थी जिस कारण सजीवनलाल काफी दिनों से अरुण की हत्या के फिराक में था। दिनांक 28.12.2024 की रात को अभियुक्त सजीवनलाल अपने साथी रंजीत के साथ अरुण की हत्या करने का साजिश रची जिसके क्रम में सजीवनलाल अपने साथी रंजीत के साथ रात में अरुण के खेत पर गया जहां पर अरुण खेत की रखवाली करता था। रात में अभियुक्तों द्वारा अरुण को शराब पिलाई गयी जब वह नशे में हो गया तब रंजीत व सजीवनलाल द्वारा चाकू से उसका गला काट दिया गया तथा पीड़ित का मोबाइल रख लिया गया और मरा हुआ समझ कर मौके से भाग गये। आज दिनांक 31.12.2024 को अभियुक्त सजीवनलाल को दीवानगंज थाना मोहनलालगंज से तथा अभियुक्त रंजीत को औरांगाबाद थाना आशियाना लखनऊ से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगणों के कब्जे से पीड़ित अरुण का मोबाइल बरामद हुआ तथा घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया गया। बरामद चाकू के आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध धारा 4/25 आर्म्स एक्ट की बढोत्तरी की गयी। अभियुक्तगणों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

अरुणाचल की सीनियर क्रिकेट टीम से खेल रही गोरखपुर की बेटी

गोरखपुर, (संवाददाता)। शहर की 22 वर्षीय बेटी पल्लवी रंजन अरुणाचल प्रदेश की टीम से खेलकर जिले का मान बढ़ा रही हैं। मीडियम पेसर पल्लवी का चयन अरुणाचल प्रदेश की सीनियर वनडे टीम में हुआ है। पल्लवी ने तीन मैचों में टीम के लिए शानदार प्रदर्शन भी किया। बिछिया की रहने वाली पल्लवी रंजन गोरखपुर में ही अभ्यास करती थीं। हाल ही में उनका चयन अरुणाचल प्रदेश की सीनियर महिला टीम में हुआ है। पल्लवी सरमाउंट क्रिकेट एकेडमी में प्रैक्टिस करती थीं। शहर में क्रिकेट खेलने वाली लड़कियों की संख्या कम है। ऐसे में लड़कों के साथ अभ्यास कर अपने खेल में निखार लाया और सफलता की ओर बढ़ रही हैं। बिछिया के गायत्रीपुरम की रहने वाली पल्लवी के पिता अरविंद कुमार श्रीवास्तव कस्टम ऑफिसर के पद से सेवानिवृत्त हैं। मां करुणा श्रीवास्तव गृहिणी हैं। बेटी ने क्रिकेट खेलने की इच्छा जताई तो माता–पिता ने पूरा सहयोग किया। पल्लवी ने बताया कि खेल के लिए माता–पिता ने हमेशा प्रोत्साहित किया। पल्लवी ने पांच साल गोरखपुर में अभ्यास किया। पल्लवी के कोच दुर्गेश चौधरी ने बताया कि वह पिछले पांच वर्षों से लगातार प्रैक्टिस कर रही हैं। बालिंग के साथ बल्लेबाजी को भी पल्लवी ने मजबूत किया। ऑलराउंडर की जरूरत हर टीम को होती है। इसीलिए उनका चयन हुआ है। कोच ने बताया कि पल्लवी का खेल कौशल और कामयाबी की ललक देखकर क्रिकेटरों को उम्मीद थी कि वह एक दिन जिले का नाम जरूर रोशन करेंगी। अरुणाचल प्रदेश की टीम से खेलने के बाद अब अगला लक्ष्य भारतीय टीम से खेलना है।

पछुआ से बढ़ी ठंड बर्फीली हवा ने बढ़ाई ठिठुरन– निकल गए मफलर

गोरखपुर, (संवाददाता)।पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर सोमवार को देखने को मिला। सोमवार को गोरखपुर व आस–पास के इलाकों में पूरे दिन बादल छाए रहे। बर्फीली हवा से लोग ठिठुरने को मजबूर हो गए। अधिकतम तापमान में चौबीस घंटे में छह डिग्री सेल्सियस गिरावट दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अभी दो दिन ऐसे ही मौसम का अनुमान जताया है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि निचले क्षोभमंडल में स्थिरता के कारण दिन और रात के तापमान में अंतर बहुत कम हो गया है। इसके अलावा पहाड़ी इलाकों से आ रही ठंडी उत्तरी–पश्चिमी हवा के संयुक्त प्रभाव से दिन के तापमान में प्रभावी गिरावट के परिणामस्वरूप कोल्ड डे (शीत दिवस) जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो गई हैं। एक जनवरी तक बिना किसी विशेष परिवर्तन के ऐसे ही जारी रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने सोमवार को अधिकतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। वहीं रात को न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। रविवार को अधिकतम तापमान 25 व न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इधर, सर्दी बढ़ी तो लोग टोपी और फुल जैकेट में देखने लगे। गर्म कपड़ों की दुकानों पर भी भीड़ बढ़ गई थी।

सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के विभिन्न थानाक्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना पर मृतकों के परिजनों में रोना–पीटना मच गया। लखीमपुर खीरी के निघासन निवासी राजा उर्फ पप्पू कश्यप (48) बंथरा के बनी में किराये पर पत्नी चंदा देवी के साथ रहते थे। वह पास में ही बने ढाबे पर काम करते थे। रविवार रात करीब दस बजे वह साइकिल से काम पर जा रहे थे। रास्ते में पिकअप की टक्कर से उनकी मौत हो गई। वहीं, उन्नाव के असोहा में रहने वाली माया देवी (50) सोमवार सुबह बेटे विकास के साथ बाइक से इलाज कराने लखनऊ आ रही थीं। सुबह करीब साढ़े नौ बजे बंथरा में उम्मेद खेड़ा गांव के पास तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से माया की मौत हो गई। विकास मामूली रूप से चोटिल हो गए। आरोपी चालक डंपर छोड़कर भाग निकला। आलमबाग निवासी इरफान (34) डाला चलाते थे। वह सोमवार शाम करीब 4रू15 बजे दोस्त आलमबाग निवासी सर्वेश के साथ बाइक से सरोजनीनगर के कंचनपुरी में रहने वाले अपने जीजा से मिलने जा रहे थे। एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे के पास एलपीजी सिलिंडर से लदे ट्रक की टक्कर से इरफान की मौत हो गई। आरोपी चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। हादसे के कारण लखनऊ से कानपुर जाने वाली पटरी पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई। पुलिस ने थोड़ी देर में यातायात सामान्य कराया। काकोरी के शिवरी पानखेड़ा निवासी छेदालाल रोशन लाल ने बताया कि भाभी शांति की चार साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। तब से भाई की दोनों बेटियां जानू व जैशू सरोसा गांव में नानी रामेश्वरी के साथ रह रही हैं। रविवार शाम छेदालाल बेटियों से मिलने गए थे। लौटने के दौरान आगरा एक्सप्रेस–वे के पास हादसे का शिकार हो गए। दूसरी ओर, बाराबंकी में देवा के गंगवार गांव निवासी सुनील कुमार (26) मानसिक रूप से बीमार थे। रविवार रात वह गोसाईंगंज के कोडरा गांव के पास घूम रहे थे। तभी अज्ञात वाहन की टक्कर से उनकी जान चली गई। आशियाना के औरंगाबाद जागीर निवासी राम आधार (55) दूध कारोबारी थे। उनके बेटे सचिन ने बताया कि बीते बृहस्पतिवार शाम को पिता साइकिल से दूध बेचकर लौट रहे थे।

समस्त प्रदेश, जनपद एवं ग्राम वासियों को
नूतन नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं बधाई

डा. मनीष कुमार मिश्रा
मां विंध्यवासिनी
मेडिकल स्टोर वेवा
चौराहा (बजरंगी चौक)
डुमरियागंज सिद्धार्थ नगर
मो0- 9918165754

समस्त प्रदेश, जनपद एवं ग्राम वासियों को
नूतन नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं बधाई

मो मोजम्मिल
ग्राम प्रधान कबुलपुर
विकास खण्ड
सिरकोनी
जनपद जौनपुर

समस्त प्रदेश, जनपद एवं ग्राम वासियों को
नूतन नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं बधाई

संजय सिंह बबलू
ग्राम प्रधान
बदलपुर
विकास खण्ड
सिरकोनी

समस्त प्रदेश, जनपद एवं ग्राम वासियों को
नूतन नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं बधाई

चंदा यादव पत्नी
मृत्युंजय यादव
ग्राम प्रधान ग्यासपुर
विकास खण्ड
सिरकोनी

भाजपा जिला प्रतिनिधि की सूची में मृत नेता का नाम होने से खलबली, संगठन की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

लखनऊ, (संवाददाता)। भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से ही होमवर्क कर रही है। रायबरेली जो सियासत के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है और भाजपा की साख हमेशा से यहां के चुनाव में लगी रहती है। पिछले 24 घंटे में एक नए घटनाक्रम से भाजपा जिला संगठन में खलबली मची हुई है। दिल्ली से मंडल अध्यक्ष व प्रतिनिधि की जारी की गई सूची में संजय मौर्य को जिला प्रतिनिधि बना दिया गया है। जबकि संजय की मौत हो चुकी है। हालांकि भाजपा के कुछ नेताओं का दावा है कि सूची में जो नाम है, वह जरूरी नहीं है कि मृत संजय मौर्य हो, इसकी जांच की जा रही है। मंडल अध्यक्षों और जिला प्रतिनिधियों की सूची पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय की संस्तुति पर फाइनल हुई है। जिले में मण्डल अध्यक्ष चुनाव की जिम्मेदारी राकेश मिश्रा के पास थी। जिला प्रभारी पीयूष मिश्रा और पर्यवेक्षक के रूप में प्रदेश महामंत्री संजय राय की देखरेख में मण्डल अध्यक्ष का चुनाव किया गया है। मण्डल अध्यक्ष के पद में जातीय आधार पर समीकरण को खूब साधने की कोशिश की गई है। जिसमें विधानसभा वार जारी लिस्ट में पार्टी की तरफ से यादव बिरादरी को दरकिनार किया गया इसके अलावा ओबीसी की अन्य जातियों को भी कम भागीदारी मिल पाई है। मंडल अध्यक्ष के विभिन्न पदों को लेकर लोगों में जहां खूब आपत्ति जताई जा रही है तो वहीं मृत संजय मौर्य का जिला प्रतिनिधि के पद पर नाम होने से पार्टी की जमकर किरकिरी हो रही है। भाजपा की तरफ से राही ब्लॉक से संजय मौर्य को जिला प्रतिनिधि बनाया गया है। उनकी मृत्यु 18 मई 2022 को हो चुकी है। सोशल मीडिया पर संजय मौर्य का नाम दौड़ रहा है। इससे भाजपा के भीतर भी खलबली मची हुई है। पार्टी मीडिया प्रभारी विनय शुक्ला का कहना है कि मंडल अध्यक्ष और जिला प्रतिनिधियों का चयन प्रदेश महामंत्री की देखरेख में हुआ है। इसमें गलती नहीं हो सकती है। सोशल मीडिया पर जो ट्रेंड हो रहा है। उस पर पार्टी के पदाधिकारियों से बात की जा रही है। संजय मौर्य का नाम राही से है, लेकिन उनके गांव का नाम नहीं है। संजय मौर्य नाम के और पदाधिकारी भी हो सकते हैं फिर भी बातचीत के बाद पता लग सकेगा।

चंद्रिका देवी मंदिर स्थित रेस्टोरेंट में लगी आग, रास्ते पर अतिक्रमण के चलते नहीं पहुंची फायर ब्रिगेड

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के बख्शी का तालाब स्थित चंद्रिका देवी मंदिर कार्यालय के पास स्थित एक रेस्टोरेंट में सोमवार की रात लगभग 1:00 बजे आग लग गई। जब तक आग बुझाने का इंतजाम किया गया रेस्टोरेंट का सारा सामान जलकर खाक हो चुका था। सोमवती

अमावस्या के मौके पर चंद्रिका देवी मंदिर दर्शनों के लिए सोमवार को श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ी थी। बताया जा रहा है रात लगभग 1रू00 बजे मंदिर समिति कार्यालय के पास स्थित एक रेस्टोरेंट में अचानक आग लग गई। आग लगने की वजह से अपरा तफरी मच गई। मंदिर परिसर में मौजूद संसाधनों से आग बुझाने का प्रयास किया गया लेकिन इसके पहले आग से रेस्टोरेंट का पूरा सामान जल कर खाक हो गया।

व्यापारी नेता पर जानलेवा हमला, बोलेरो सवार हमलावरों ने हॉकी व धारदार हथियार से किया लहूलुहान

लखनऊ, (संवाददाता)। सुल्तानपुर के जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित बिरसिंहपुर में सोमवार रात पुरानी रंजिश के चलते हमलावरों ने बोलेरो गाड़ी से आकर उद्योग व्यापार मंडल के बिरसिंहपुर बाजार अध्यक्षध्फल व्यवसाई को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल व्यापारी को बिरसिंहपुर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। नाजुक हालत होने पर वहां से डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर के लिए भेज दिया। बिरसिंहपुर के निवासी जगन्नाथ कनौजिया (48 वर्ष) सोमवार रात जब दुकान बंद करके घर जा रहे थे, तो रास्ते में बोलेरो सवार लोगों ने उन्हें रोका और फिर एक व्यक्ति ने उन्हें पकड़ लिया। अन्य हमलावरों ने हॉकी और अन्य वस्तुओं से उन पर हमला किया। घटना के बाद हमलावर फरार हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और घायल जगन्नाथ को बिरसिंहपुर अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज और फिर लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। घायल जगन्नाथ के भाई, अमरनाथ ने बताया कि गांव में पुरानी रंजिश भी है, उनके भाई को बाजार अध्यक्ष के कारण भी प्रताड़ित किया जाता है। उन्होंने बताया कि अंकित सिंह, मिंटू सिंह, पुनीत सिंह और अमन सिंह के साथ उनके भाई की रंजिश चल रही थी। सोमवार रात बोलेरो सवार लोगों ने रास्ता पूछने के बहाने जगन्नाथ को रोका और

एक व्यक्ति ने उसे पकड़ लिया जबकि अन्य चार हमलावरों ने उसे हॉकी और धारदार हथियारों से हमला किया। कोतवाल जयसिंहपुर, अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में है और तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल में पहुंचे भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री रवींद्र त्रिपाठी ने बताया कि घायल जगन्नाथ हमारे बाजार अध्यक्ष हैं। दुकान बढ़ाकर ये घर जा रहे थे तो बोलेरो सवारों ने इन्हें रोका और लाठी डंडो से पीटा जिससे इनको गंभीर चोटें आई हैं। हमने एसपी से बात किया तत्काल पुलिस वहां पहुंची और अग्रिम कार्रवाई शुरु की गई है।

ईसाई मिशनरियां इस तरह से कर रही हैं प्रदेश में मतांतरण, अयोध्या के साथ यूपी के इन जिलों में गहरी पैठ

लखनऊ, (संवाददाता)। अवध क्षेत्र में अब नेपाल का मधेशी मतांतरण मॉडल अपनाया जा रहा है। ईसाई मिशनरियों को यहां मतांतरण के साथ ही वोटिंग पैटर्न बदलने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मधेश में सफल इस रणनीति को आगामी चुनाव में यहां आजमाया जा सकता है। मिशनरियों की सक्रियता से सीतापुर, बाराबंकी, बहराइच, श्रावस्ती, सुल्तानपुर और अंबेडकरनगर भी अछूता नहीं है। बलरामपुर, श्रावस्ती व बहराइच का बुरा हाल है। सुरक्षा एजेंसियों ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी रिपोर्ट में मिशनरियों के बदले तरीके पर सचेत किया है। लखनऊ के एक चर्चित पब्लिशिंग हाउस की गतिविधियों को संदिग्ध बताया है। एक और अहम बदलाव दर्शाया है कि यहां कोरियन पास्टरों को मतांतरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो बंगलुरु, पंजाब के जालंधर व केरल तक की मजबूत कड़ी बने हुए हैं। ब्राजील, अमेरिका व साउथ कोरिया से मिले फंड को खर्च किया जा रहा है। निशाने पर मतांतरण के लिए ईसाई मिशनरियों के निशाने पर गरीब, असहाय, दलित, सीमावर्ती थारू जनजाति व रायसिख समाज है। अवध क्षेत्र में सामने आए मतांतरण के मामलों में इन्हीं की सर्वाधिक भागीदारी रही है। सीतापुर के अनुभव पहले हिंदू थे। दो वर्ष पहले उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया। उनका कहना है कि बाइबिल पढ़ने के बाद जीवन में व्यापक बदलाव आया। आर्थिक स्थिति सही हुई। स्वास्थ्य भी सही रहने लगा। इस चमत्कार ने उन्हें ईसाई बनाया। ऐसी ही कहानी अयोध्या क्षेत्र के सुरेश की भी है। ये वे ईसाई हैं, जिन्होंने हाल के वर्षों में चमत्कार से चंगाई हासिल करने के दावे के बाद धर्म परिवर्तन किया है। सीतापुर में मतांतरण के आरोप में गिरफ्तार पादरी डैनविल बताते हैं कि हम धर्म परिवर्तन की बजाय हृदय परिवर्तन पर जोर देते हैं। हमारे अनुयायी दस्तावेज पर हिंदू ही रहते हैं। मतांतरण के बाद भी वे नाम नहीं बदलते। इससे वह अपने समाज से नहीं कटते। लेकिन धीरे–धीरे ईसा मसीह के भक्त हो जाते हैं। इस तरह उन्हें धर्म परिवर्तन की घोषणा की जरूरत नहीं होती और वे कानूनी कार्रवाई से भी बच जाते हैं।

महिलाओं ने पहनावा ही बदल लिया

मतांतरण करने वाले परिवारों के पुरुषों की वेशभूषा तो सामान्य है। लेकिन महिलाओं में व्यापक बदलाव है। उन्होंने सौभाग्य की निशानी चूड़ी, बिंदी के साथ सिंदूर लगाना भी छोड़ दिया है। चंगाई सभा में मरीजों और उनके परिजनों को प्रभावित करने के लिए उपचार में हाई पावर एंटीबायोटिक और स्टेरॉयड का प्रयोग किया जा रहा है। इससे वह कुछ समय में ही ठीक हो जा रहे हैं, जिसे चमत्कार बताकर ईसाई धर्म का बखान किया जाता है। बलरामपुर के डॉक्टर अजय सिंह के अनुसार यह प्रयोग मरीजों को तत्काल तो राहत देता है। लेकिन, इसका व्यापक दुष्परिणाम होता है। यह मोतियाबिंद और ग्लूकोमा, प्रतिरक्षा में कमी, मांसपेशियों की कमजोरी, हड्डियों में बदलाव का कारण भी बनता है।

ये है मिशनरी का मधेश मॉडल

पूरे नेपाल में 1951 तक ईसाई नहीं थे। 1961 में इनकी संख्या 458 हुई। 2011 में बढ़कर 3.76 लाख हो गई। ताजा आंकड़ों के अनुसार ईसाई 6.45 लाख हो गए हैं। नेशनल क्रिश्चियन कम्युनिटी सर्वे के आंकड़े के मुताबिक हिंदू बहुल देश में 7,859 चर्च हैं। सर्वाधिक चर्च और आबादी भारत से सटे मधेश क्षेत्रों में ही है। यहां की जिम्मेदारी कोरियाई पास्टर संभाले हैं। इन्होंने आर्थिक और अध्यात्मिक रूप से गरीब दलित समुदाय व जनजातियों पर काम शुरू किया। कोरियन वर्ल्ड मिशन एसोसिएशन के अनुसार नेपाल में इस समय 565 कोरियन मिशनरी परिवार हैं। काठमांडू के बाहर चीन प्रभावी दक्षिणी क्षेत्र में इनकी संख्या अधिक है। विदेश मामलों के जानकारी डॉ. उदय बताते हैं कि ईसाई मिशनरियों के विस्तार का ही असर है कि आज तक नेपाल में आधार के लिए परेशान अमेरिकी ने मजबूती से पैर जमाने शुरू कर दिए हैं। इससे चीन चिंतित भी है।

नेपाल में राष्ट्रीय एकता को है खतरा

नेपाल में मतांतरण से सांस्कृतिक पहचान पर संकट गहरा गया है। इससे राष्ट्रीय एकता खतरे में है। मिशनरी गरीब लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर बाद में उनका शोषण कर रही हैं। यह धार्मिक आजादी का नहीं, बल्कि धर्म के नाम पर शोषण का मामला है। –उपेंद्र यादव, पूर्व उप प्रधानमंत्री नेपाल

ईसाई मिशनरियों की दीर्घकालीन योजना

आंकड़ों में भले ही ईसाइयों की जनसंख्या उतनी नहीं बढ़ी है। लेकिन, ईसाई मिशनरियां दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज को ध्यान में रखकर दीर्घकालिक योजना पर काम कर रही हैं। ऐसे में सचेत रहने की जरूरत है।

बाघ पकड़ने के लिए पिंजड़ा लेकर पहुंची वन विभाग की टीम, ग्रामीणों में दहशत बरकरार

लखनऊ, (संवाददाता)। बाघ के हमलों के बाद वन विभाग हरकत में आया है। मंगलवार को वन विभाग के अधिकारी पिंजड़े के साथ ढोलई खुर्द गांव पहुंचे हैं। मौके पर अब पिंजड़ा लगाने की कवायद होगी। अधिकारियों ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। यह बाघ अब तक एक किसान के बाद भैंस

पर हमला कर चुका है। इमलिया सुल्तानपुर इलाके में बाघ की चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। डिप्टी रेंजरमुशीर अहमद ने बताया कि जब विशुनपुर में मिले पग चिह्न देखे थे तब उन्होने स्पष्ट कर दिया था ।

महाकुंभ में स्थापित केंद्रीय अस्पताल में जन्में दो बच्चे, रखा गया कुंभ-गंगा नाम, मां और बच्चे स्वस्थ

लखनऊ, (संवाददाता)। महाकुंभ को लेकर चल रही तैयारियों के बीच यहां स्थापित केंद्रीय अस्पताल में अब तक दो बच्चों का जन्म हो चुका है। रविवार के बाद सोमवार को एक अन्य बच्चे ने जन्म लिया है। जच्चा–बच्चा दोनों ही स्वस्थ हैं और चिकित्सकीय देखरेख में हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि इस अस्पताल में विश्वस्तरीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि महाकुंभ स्थित केंद्रीय अस्पताल में ओपीडी, सामान्य वार्ड, प्रसव केंद्र, ऑपरेशन थियेटर और आईसीयू की व्यवस्था की गई है। लोगों को इलाज भी मिलना शुरू हो गया है। रविवार को 20 वर्षीय गर्भवती सोनम को प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया है। बच्चे का नाम कुंभ रखने पर परिजनों ने सहमति जताई है। वहीं सोमवार को गर्भवती शिव कुमारी को भी प्रसव पीड़ा होने पर केंद्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों की देखरेख में महिला ने स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।